वैश्वकि कंपनयिों के लयि आकर्षण का केंद्र बनता भारतीय परविहन क्षेत्र

संदर्भ

भारत की स्मार्ट परविहन प्रणाली की तलाश ने इसे अंतर्राष्ट्रीय कंपनयिों के लयि हॉट स्पॉट बना दयिा है। वशि्व की कई बड़ी कंपनयिाँ भारत में पॉड टैक्सी, हाइपरलूप, इलेक्ट्रकि वाहन, केबल कार और रोपेवे जैसी नवीनतम तकनीकों की पेशकश कर रही हैं। स्काईट्रान (स्काईट्रान) नामक एक ऐसी ही फर्म, जो नासा की टेक्नोलॉजी पार्टनर है, एक पॉड कार सस्टिम वकिसति कर रही है, जो एक चालक रहति वाहन होगा और पूर्व-नर्धिारति मार्ग पर संचालति होगा।

प्रमुख बदिु

- इसी कंपनी ने इस तकनीक के प्रदर्शन हेतु अपने खर्चे पर भारत में 1 कलिोमीटर का पायलट ट्रैक नर्मिति करने में रुचि दिखाई है।
- कंपनी के अनुसार इस प्रणाली को व्यापक परविहन प्रणाली के रूप में उपयोग कयिा जा सकता है।
- यह सस्टिम अंतर-शहरी पारगमन के मामले में 120 कमिी/घंटा की गति से एवं अंतरा-शहरी पारगमन के मामले में 200-250 कमिी/घंटा की गति से परविहन कर सकता है।
- लॉस एंजेल्स स्थति एक अन्य कंपनी 'वर्जनि हायपरलूप वन' भी अपने वैक्यूम ट्यूब आधारति परविहन प्रणाली स्थापति करने की योजना बना रही है, जो लोगों और माल के पारगमन हेतु चुंबक आधारति तकनीक का उपयोग करते हुए परविहन में सक्षम होगी। इसकी गति 1,000-1,200 कमिी/घंटा होगी।
- भारत में वदिेशी कंपनयिों द्वारा दखिाई जा रही इस रुचि का श्रेय सरकार को जाता है, जसिने अपने शासनकाल की शुरुआत से ही देश में नई और तीव्र परविहन तकनीकों वाली प्रणालयिों के परीक्षण के प्रति उत्साह प्रकट कयिा है।
- तब से लेकर अब तक इस संदर्भ में कई महत्त्वपूर्ण पहलें की जा चुकी हैं। उदाहरण के तौर पर गुरुग्राम और मानेसर के बीच नया परविहन मोड, बसों के लयि इथेनॉल आधारति ईंधन, चार पहयिा वाहनों को इलेक्ट्रकि वाहनों में बदलने के वचिार जैसे कदमों को लयिा जा सकता है।
- भारत में परविहन व्यवसाय नरिंतर स्मार्ट और इको-फ्रेंडली होता जा रहा है। उदाहरणस्वरूप राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधकिरण (एनएचएआई) द्वारा टोल टैक्स की स्वतः वसूली हेतु फास्टैग (FASTag) प्रणाली की शुरुआत की गई है, राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रैफकि की स्थति के बारे में जानकारी हेतु एसएमएस अलर्ट और मेट्रो कार्ड जैसे कई स्मार्ट और नए तरीकों को अपनाया गया है।
- ओला और उबर जैसी मोबाइल एप्लकिेशनों द्वारा संचालति टैक्सी सेवाएँ, ऑनलाइन बस टकिट बुकगि जैसी सुवधिाएँ भी भारत को स्मार्ट परविहन व्यवस्था वाला देश बनाने की दशिा में महत्त्वपूर्ण पहलें है।
- जहाँ एक ओर नई तकनीकें स्मार्ट परविहन को बढ़ावा देने में लगी हैं, वहीं दूसरी ओर केबल कार और रोपवे जैसी पुरानी तकनीकें भी लाइमलाइट में वापस आ गई हैं।
- केबल कार और रोपवे अब पर्यटन स्थलों तक ही सीमति नहीं हैं, बल्कि घने बसे शहरों के लयि भी गैर-वाहन परविहन समाधान के रूप में उभर रहे हैं।
- पछिले कुछ महीनों से कई राज्य सरकारें भी केबल कारों को स्मार्ट परविहन समाधान के रूप में अपनाने हेतु रुचि दिखा रही हैं।
- उदाहरणस्वरूप उत्तराखंड केबल कारों का उपयोग करते हुए देहरादून और मसूरी के दो कस्बों को जोड़ने की योजना बना रहा है, जसिसे इन दोनों स्थानों के बीच यात्रा का समय तीन घंटे से कम होकर 20 मनिट रह जाएगा। इसी प्रकार महाराष्ट्र सरकार भी अरब सागर के ऊपर से रोपवे नर्मिाण की तैयारी में है। यह रोपवे मुंबई को एलीफेंटा घुफाओं से जोड़ेगा।
- इसी प्रकार गुजरात भी गरिनार पर एक केबल कार मार्ग का नर्मिाण कर रहा है, जबकि गोवा मांडवी नदी के दो सरिों पर स्थति पणजी और रीस मैगोस को जोड़ने के लयि रोपवे का नर्मिाण कर रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-transport-sector-becomes-the-center-of-attraction-for-global-companies